Preamble Jumble

यह कार्यशाला किसी भी समूह के साथ की जा सकती है। चाहे प्रतिभागियों की संविधान की कुछ समझ हो या बिलकुल भी न हो। इस मॉड्यूल का उद्देश्य प्रतिभागियों को संविधान के उद्देशिका से परिचित करवाना है।

क्रम संख्या	विषय	तकनीक / तरीका	समय
1	स्वागत और परिचय के साथ दिन के विषय की जानकारी साझा करना	चर्चा	10 मिनट
2	प्रस्तावना के शब्दों को व्यवस्थित करना	सामूहिक कार्य	15 मिनट
3	प्रस्तावना के सबसे जरुरी संदेसो पर चर्चा	चर्चा	10 मिनट
4	प्रश्नोत्तरी सत्र और समापन	चर्चा	15 मिनट

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश:

1. फैसिलिटेटर को अपने संदर्भ के लिए प्रस्तावना की प्रति अंग्रेजी और हिंदी में रखनी चाहिए।
2. मॉड्यूल में एक एक्टिविटी शीट है जिसमें प्रस्तावना के शब्द एक क्रम में व्यवस्थित हैं। फैसिलिटेटर को अलग-अलग पन्नो पर दिए गए शब्दों को प्रिंट और कट करना होगा और फिर प्रतिभागियों को देने से पहले उन्हें जंबल यानी बिना क्रम के रखना होगा।
3. समूहों की संख्या के आधार पर प्रस्तावना के छपे हुए शब्दों को अपने साथ रखें।
4. प्रस्तावना की बेहतर समझ के लिए, फैसिलिटेटर को प्रस्तावना व्याख्याता अवश्य देखना चाहिए
   https://youtu.be/1QyZDHiGFvo (English)
   https://youtu.be/Mmqg1Wp-umo (Hindi)

एक्टिविटी शीट(**Activity Sheet)**

https://drive.google.com/file/d/1qK8z2ty2bHiXR-l883UYTxKDG5wM0Xnh/view?usp=share_link

अन्य सामिग्री

1. चार्ट पेपर
2. स्केच पेन
3. ग्लू या टेप

स्वागत, सम्बोधन और दिन का प्लान साझा करना

कहें : नमस्ते दोस्तों, आप सभी का आज सत्र में स्वागत है और उम्मीद करते हैं की आप सभी अच्छे होंगे।

करें : सहजकर्ता अपने बारे में बताएं और ये भी बताएं कि वे क्यों संविधान जागरूकता के प्रोग्राम का हिस्सा हैं।

कहें: तो आज हम सभी संविधान के एक बहुत ही जरुरी विषय पर चर्चा करने के लिए यहाँ उपस्थित हुए हैं, लेकिन शुरू करने से पहले आप लोग ये बताएं की आप में से कितने लोगो ने संविधान की प्रति देखी है।

करे: कुछ प्रतिक्रियाओं को लें। इसके उन्हें अपनी संविधान की प्रति दिखाइए और यदि संविधान की प्रति आपके पास नहीं है तो उन्हें हैंडआउट के जरिये संविधान का पहला पन्ना दिखाए।

कहें : यह दस्तावेज़ जिसे हम संविधान कहते है यह देश की नियमावली है जिससे देश की शाशन व्यवस्था चलती है। इसमें राज्य और नागरिकों के अधिकार और जिम्मेदारियां लिखी हुई हैं। इसके उद्देश्यों का सार इसके पहले पन्ने पर दिया गया है।

सामूहिक कार्य , अव्यवस्थित शब्दों को व्यवस्थित करना

करे : प्रस्तावना की तस्वीर दिखाए (क्षेत्र के अनुसार वहां की भाषा में)

कहें : क्या आपने इसे पहले कभी देखा है?

करे: कुछ प्रतिक्रियाएं ले

कहें : ज्यादातर हम इसे अपनी किताबों में , स्कूल्स में या फिर सरकारी दफ्तरों में देखते हैं। यह संविधान का पहला पन्ना है। इस पन्ने को संविधान की आत्मा कहा जा सकता है। यह हमे इस पूरी किताब का उद्देश्य बताता है और सभी नागरिकों का मार्गदर्शन करता है।

इससे पहले की हम प्रस्तावना को समझे की इसमें क्या लिखा हुआ है हम एक गेम खेलेंगे। क्या आप तैयार है ?

करे: निचे दिए गए निर्देशों के अनुसार एक्टिविटी को कराये

1. सुनिश्चित करें की प्रस्तवना की शब्द अलग अलग कटे और अव्यवस्थित हो जिसे समूह व्यवस्थित करेगा
2. समूह को छोटे 5-6 समूहों में बाँट दे और हर एक समूह 5-7 में लोग हों
3. सभी समूहों को अलग अलग बैठने के लिए कहें
4. सभी समहूहों को कटे हुए शब्दों का बण्डल दें
5. और कहें की जो समूह सबसे पहले शब्दों को व्यवस्थित और सही क्रम में लगाएगा उसे विजेता घोषित किया जायेगा
6. 15 मिनट का समय दें और कहें की शब्दों के कार्ड को या तो चार्ट पेपर या फिर टेबल पर या ज़मीन पर लगायें.
7. सुनिश्चित करें की ग्रुप एक दूसरे की नक़ल न कर रहे हों और किसी दूसरे संसाधन की भी मदद न ले रहे हों
8. यदि दिए गए समय के बाद भी वो लोग संघर्ष कर रहे हैं तो उन्हें बताये की समय ख़तम हो चूका है।

कहें : बहुत बढ़िया। ये देख कर अच्छा लगा की आपने प्रस्तावना के अव्यवस्थित शब्दों को सही क्रम में जोड़ने का प्रयास किया और अब मैं सभी ग्रुप सेनिवेदन करूँगा/करुँगी की वो देखें की उन्होंने शब्दों को सही से लगाया है या नहीं। अब मैं प्रस्तावना को जोर से पढ़ूंगा/पढ़ूंगी और आप सभी लोग अपनी प्रस्तावना से शब्दों का मिलान करें।

करे: प्रस्तावना को तेज आवाज़ में पढ़े ताकि समूह अपनी प्रस्तावना के शब्दों का मिलान कर सकें।

कहे**:** अब ये बताइये की कौन कौन से समूह हैं जिन्होंने प्रस्तावना के शब्दों को सही ढंग से लगया था।उनके लिए जोरदार तालियां बजायेंगे।

करे : सभी विजेताओं के लिए तालियां बजाये

कहे: उम्मीद है की आप सभी को इस खेल में मजा आया होगा। क्या आप मुझे बता सकते हैं की वो कौन सा शब्द था जिसने इस खेल के दौरान आपका सबसे ज्यादा ध्यान खींचा।

करे: कुछ प्रतिक्रियाएं लें।

कहें : जानकर अच्छा लगा। आज हम अपने आप को संविधान के मार्गदर्शक शब्दों से परिचित करवाया। अब आपको समझ में आ गया होगा संविधान की शुरुआत कैसी दिखाई देती है। प्रस्तावना एक लम्बा वाक्य है जिसके बीच में कोई पूर्ण विराम नहीं है और इस एक लम्बे वाक्य में संविधान का उद्देश्य बताया गया है। जैसे की "हम भारत के लोग", इस छोटे से वाक्य से पता चलता की संविधान भारत के सभी नागरिकों के लिए लिखा गया है।

करे: प्रस्तावना के मूल सन्देश को बताएं।

कहे: प्रस्तावना को पढ़ कर कुछ मूल संदेशो को समझा जा सकता है जैसे कि

1. यह देश का विजन और मिशन दस्तावेज है जो कि देश के मार्गदर्शक दस्तावेज के रूप में काम करता है।
2. यह मूल मानवीय भावनाओं पर आधारित है जैसे की समता , न्याय , स्वतंत्रता और बंधुता।
3. ये हमे यह भी बताता है की हम भारत के लोग देश और संविधान के असली मालिक है।
4. यह राज्य का नागरिकों के प्रति और नागरिकों की राज्य के प्रति जिम्मेदारी और उत्तरदायित्व बताता है।
5. यह राज्य की विशेषताओं जैसे की पंथनिरपेक्ष , लोकतंत्रात्मक गणराज्य आदि की व्याख्या करता है।
6. यह एकदम स्पष्ट करता है की हमे देश की उन्नति के लिए एक साथ मिलकर प्रयास करने होंगे।

कहे : हमने अभी अभी संविधान को समझने और आगे बढ़ाने की प्रक्रिया को सीखा है और इसे आगे ले जाने और समझने के लिए बहुत कुछ करना है लेकिन यहाँ तक आप सबके मन में कोई सवाल हो तो जरूर पूछिए।

करे: सवालों का इंतजार करिये और कार्यशाला से सम्बंधित जरुरी सवालों के जवाब दीजिये

निष्कर्ष :

मैं कहूंगा/कहूँगी की आज प्रस्तावना की इस एक्सरसाइज में आप लोगो के साथ बहुत मजा आया और अब आप सही मायने में कह सकते हैं की एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर आपने अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों को जानने की दिशा में पहला कदम बढ़ाया है।अभी और भी सत्र हैं जिनमे हम प्रस्तावना के एक एक शब्द की व्याख्या करेंएंगे और संविधान के बनने की प्रक्रिया को समझेंगे। उम्मीद है की हम फिर मिलेंगे और सीखने समझने और अपने संविधान को अपनाने की इस यात्रा को और आगे बढ़ाएंगे

नमस्ते।

Resource created by, We The People Abhiyan